AUTONOMOUS
(NAAC द्वारा मूल्यांकित एवं प्रत्यायित)
(उस्मानिया विश्वविद्यालय एवं बी.आइ.ई. से संबद्ध)

हिम चेतना

HIM CHETANA

Estd. 1961
वर्ष-१४ अंक-४
जनवरी-मार्च, २०२५
पृष्ठ ४ मूल्य-१

Website : www. hindimahavidyalaya.org E-mail: info@hindimahavidyalaya.org

हिन्दी महाविद्यालय एवं एम.सी.गुप्ता कॉलेज का मुखपत्र (त्रैमासिक)

जैन रत्न सुरेंद्र लूणिया एजुकेशनल एक्सीलेंस पुरस्कार प्रदत्त

जैन रत्न सुरेंद्र बाबू लूणिया के प्रथम पुण्य स्मरण दिवस पर जैन रत्न सुरेंद्र बाबू लूणिया एजुकेशनल एक्सीलेंस पुरस्कार समारोह में विभिन्न वर्ग में स्नातकोत्तर को अवार्ड प्रदान करने के साथ–साथ अन्य लोगों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

आज यहां नल्लाकुंटा स्थित हिन्दी महाविद्यालय के सभागार में एस.एस. लूणिया चैरिटीस द्वारा जैन रत्न सुरेंद्र बाबू लूणिया के प्रथम पुण्य स्मरण दिवस पर आयोजित जैन रत्न सुरेंद्र बाबू लूणिया एजुकेशनल एक्सीलेंस पुरस्कार समारोह में विशेष अतिथि वक्ता आर यू एजुकेशन के चेयरमैन रमेश परतानी ने जैनरत्न सुरेन्द्र लूणिया द्वारा शिक्षा, धार्मिक, सामाजिक सेवा की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा किये गये कार्य सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनके नाम पर आरंभकिये गये एक्सीलेंसी अवार्ड से पढने वालों को और अधिक प्रेरणा मिलेगी।

जीवन में तीन ऋण बहुत महत्वपूर्ण हैं पहला ऋषि ऋण, दूसरा लोक ऋण और तीसरा पितृ ऋण। ऋषि ऋण जो हमारे शास्त्र व ग्रंथ छोड़ गये हैं। उनको पढने से जीवन में सफल बनेंगे तो इस ऋण से मुक्त हो सकते हैं। दूसरा है लोक ऋण यानी समाज से जो सेवाएं ली हैं उसको जीवन में सफल होने के बाद वापस लौटाने से लोक ऋण से मुक्त हो सकते हैं और तीसरा है पितृ ऋण। माता पिता के साथ रहकर सेवा करें। विशेष अतिथि मारवाडी शिक्षा समिति के सह–मंत्री सीए एस.बी. काबरा ने जैनरत्न लूणिया के साथ बिताये दो दशकों की स्मृतियों को ताजा करते हुए कहा कि वे शिक्षा के प्रति काफी सजग एवं दूरदृष्टा थे। इसलिए कटिबद्धता से शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया। चाहे मारवाडी शिक्षा समिति हो या हिन्दी महाविद्यालय, शिक्षा को ऊंचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

धार्मिक, सामाजिक सेवा के लिए तत्पर रहने वाले सुरेंद्र लूणिया सदैव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनके नाम का अवार्ड सभी को आगे बढने की प्रेरणा देगा।

विशेष अतिथि हिन्दी महाविद्यालय के अध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा ने कहा कि जैन रत्न सुरेंद्र लूणिया के साथ लगभग ५५ वर्ष कार्य किया और शिक्षा को प्रोत्साहित करने और गुणवत्ता को बढाने में उन्होंने उल्लेखनीय सेवाएं दी। हिन्दी महाविद्यालय में चेयरमैन के तौर पर रहते हुए कई बदलाव किये। उनकी दूरदर्शिता के कारण ही शिक्षा को उन्नत स्तर पर पहुंचाया जा सका। विशेष अतिथि महावीर हॉस्पिटल के चेयरमैन महेंद्र रांका ने जैन रत्न की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि जैनरत्न सुरेन्द्र बाबू लूणिया ने शिक्षा और चिकित्सा पर विशेष तौर पर जोर दिया और दोनों की गुणवत्ता को बढ़ाने का पुरजोर प्रयास किया। उनकी सेवा उल्लेखनीय रही। महावीर अस्पताल की भूमि को लीज से फ्री होल्ड करवाने में उनका बहुत बडा योगदान रहा जिसके चलते

सेवाओं को उन्नत किया जा रहा है ताकि सभी को गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा प्राप्त हो सके। उनकी विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं सभी के लिए प्रेरक है।

कार्यक्रम में अवार्ड समिति के संयोजक गौतमचन्द गुगलिया ने कहा कि बाबूसाहब के नाम से विख्यात जैनरत्न सुरेन्द्र लूणिया सभी के लिए आदर्श हैं। उनकी शैक्षणिक, धार्मिक, सामाजिक, चिकित्सा सहित अन्य संस्थाओं में सेवाओं को भुलाया नहीं जा सकता है। उनके नाम पर शिक्षा के क्षेत्र में पहला एक्सीलेंसी पुरस्कार प्रदान किया गया है जो भविष्य में और अधिक पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्री जैन सेवा संघ सहित महावीर अस्पताल व एमएसएस, हिन्दी महाविद्यालय, जैन दादावाडी सहित कई मंदिरों और संस्थाओं में जो उल्लेखनीय सेवा उन्होंने दी, वह आज सभी के लिए अनुकरणीय हैं। पुरस्कार समिति के चेयरमैन शील कुमार जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जैनरत्न सुरेन्द्र बाबू लुणिया की रुचि शिक्षा में अधिक रही इसलिए शिक्षा के क्षेत्र में पुरस्कार की शुरुवात की गई है जो भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। हर वर्ष २५ जनवरी के दिन पुरस्कार प्रदान किया जाएगा ताकि युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में सम्मान प्राप्त हो सके। पुरस्कार के अंतर्गत ११ वर्ग में से प्राप्त ७ वर्ग को पुरस्कार दिया जा रहा है जिसमें सीए, एमबीए, एमबीबीएस, एम. टेक, एमसीए, एमए, एलएलएम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि रविवार २६ जनवरी को सुबह ११.३० बजे हनुमान टेकडी स्थित दीवान बहादुर थानमल लुगिया जैन धर्मशाला में जैन रत्न सुरेंद्र लुजिया फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन आर्थोपेडिक सर्जन डॉ जी.एस. रात्र द्वारा किया जाएगा। जैन व राजस्थानी समाज के सम्माननीय पदाधिकारी एवं बाबू साहब से जुड़े उनके साथियों से कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया जा रत है।

अवसर पर अतिथियों ने जैन राज सुरेन्द्र लूजिवा एजुकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड ऋषि जैन (डॉक्टरेट), धार्मिक

जैन (सीए) और तरुणी जैन (एमबीए) को प्रदान किया। अवसर पर केशव राठी, पायल जैन, रौनक कुमार बलार जैन, नमन वी. वोरा, गौरव सारडा, तनाय काबरा, पूनम जैन, हर्षिल भरत शाह, प्रवीण जैन, कुशाल डागा, प्रणव लाखोटिया, पायल जैन, निकिता समदरिया, यामिनी तुराकिया, मुस्कान जैन, प्रभुनाथ गोदरा, पूजा राठी को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

गोविन्द राठी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन तनिषा जैन एवं गौतमचन्द गुगलिया ने किया। कार्यक्रम में मंगलाचरण सीमा शील कुमार जैन एवं प्रतिमा चोपडा ने किया। अवसर पर जैनरत्न सुरेन्द्र बाबू लूणिया के जीवन एवं उपलब्धियों और सेवा से संबंधित पीपीटी को प्रस्तुत किया गया जिसमें सिद्धार्थ जैन ने सहयोग दिया। अवसर पर डॉ. घीसूलाल जैन, श्यामसुन्दर मूंदडा, राजकुमार चोपडा, आदित्य सुराणा, अजय नाहटा, निखिल, सिद्धार्थ लूणिया व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

महाविद्यालय सभागार में जैन रत्न सुरेंद्र लूणिया के प्रथम पुण्य स्मृति दिवस पर एस.एस. जैन लूणिया चैरिटीस एवं अवॉर्ड्स कमेटी के तत्वावधान में आयोजित जैन रत्न सुरेंद्र लूणिया एजुकेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड कार्यक्रम में अतिथि वक्ता आर.यू. एजुकेशन के चेयरमैन रमेश परतानी, विशेष अतिथि महाविद्यालय के अध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, मारवाड़ी शिक्षा समिति के सहमंत्री सीए एस.बी. काबरा, महावीर अस्पताल हॉस्पिटल के चेयरमैन महेंद्र रांका, चेयरमैन शील कुमार जैन, अवार्ड समिति के संयोजक गौतमचंद गुगलिया मेधावी विद्यार्थियों को अवार्ड एवं सम्मान प्रदान करते हुए। साथ में तनिषा जैन, सिद्धार्थ जैन, सीमा शील कुमार जैन, प्रतिमा चौपड़ा व अन्य।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस तथा अतिथि व्याख्यान संपन्न

महाविद्यालय में आयोजित मतदाता दिवस व्याख्यान कार्यक्रम का दृश्य।

हिन्दी महाविद्यालय के प्रांगण में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में **भारतीय संविधान एवं चुनाव व्यवस्था** विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी महाविद्यालय की पूर्व उप-प्राचार्या एवं राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुरभि दत्त उपस्थित रही। उप-प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी के सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्या डॉ. बाला कुमार ने अपना स्वागत भाषण देते हुए सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएँ दी तथा सभी को मतदान के मूल्यों को समझाया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष श्री श्याम सुंदर मूदड़ा ने अपना संदेश देते हुए संवैधानिक मूल्यों को समझाते हुए चुनाव आयोग के गठन तथा चुनाव व्यवस्था के विषय में अपने विचार प्रकट किया। संयुक्त सचिव प्रदीप दत्त अपने संदेश में सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में अपने वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए डॉ. सुरभि दत्त ने कहा कि हमारे देश का संविधान सर्वोच्च संविधान है। मतदाता और संविधान निर्माण दिवस में भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दीर्घ संघर्ष का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा है। मौलिक अधिकार और मौलिक कर्त्तव्य उसके प्रमुख भाग है। चुनाव आयोग और गठन और चुनाव और मतदान की प्रक्रिया के साथ चुनाव के दौरान की जाने वाली अनिवार्य व्यवस्थाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सबल समर्थ और सजीव संविधान के पीछे एक दर्शन है। कुछ आस्थाएँ और आधारभूत मूल सिद्धांत है। भारत का संविधान नागरिक कल्याण भावना से प्रेरित है। अनुच्छेद ३२६ वयस्क मताधिकार के फलस्वरूप लाखों करोड़ों की वाणी बना है। मतदान की सफलता स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से ही संभव है। अत: एक नागरिक अपने विवेक पूर्ण मत द्वारा ही विवेक पूर्ण सरकार का गठन कर सकता है।

राजनीति शास्त्र की प्राध्यापिका श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने सभी को मतदान का मूल्य समझाते हुए कहा कि आपका वोट ही आपकी आवाज है क्योंकि वोट की शक्ति लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। तत्पश्चात उन्होंने सभी को एक मतदाता के रूप में प्रतिज्ञाबद्ध कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बाला कुमार, उप-प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, संस्था के उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, हिन्दी विभागध्यक्ष डॉ. रजनीधारी, वकील पांडेय, बी.टी. मधुसूदन, डॉ. पुष्पावल्ली, अर्चना सिंह, डॉ. पी. वसंता तथा सभी प्राध्यापकगण एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजनीति शास्त्र विभाग की श्रीमती अर्चना पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन डॉ. रजनीधारी ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस आयोजित

हिन्दी महाविद्यालय में ७६वाँ गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिंजराजका वैल्यू स्टील प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष श्री दिनेश जी बिंजराजका उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ एनसीसी कैडेट की परेड द्वारा हुआ, जिसका निरीक्षण मुख्य अतिथि, प्राचार्या तथा प्रबंधन के सदस्यों द्वारा किया गया, तत्पश्चात इन सभी के द्वारा सामूहिक रूप से ध्वज फहराया गया तथा सामूहिक राष्ट्रगान हुआ।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीधारी ने सभी को राष्ट्र के प्रति प्रतिज्ञाबद्ध कराया। मुख्य अतिथि को समिति के सदस्यों तथा प्राचार्या द्वारा शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्या डॉ. बाला कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए सभी को हिन्दी हिन्दी महाविद्यालय के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी दी। अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए भारतीय संविधान के महत्व को बताते हुए उस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संविधान के बारे में छात्रों को अधिक से अधिक ज्ञान हो तथा उन्हें उनके अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का ज्ञान हो सके। इसके लिए अलग-अलग से संविधान की कक्षाएँ होनी चाहिए।

मानद मंत्री श्री शील कुमार जैन ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देत हुए संविधान को देश ग्रंथ तथा आत्मा बताया। देश की स्वतंत्रता में शहीदों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के विकास और प्रगति के लिए कार्य करना चाहिए। जिसमें विश्व में भारत का नाम ऊँचा हो। मुख्य अतिथि का परिचय प्राचार्या डॉ. बाला कुमार ने दिया। मुख्य अतिथि ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यालय एक ऐसी जगह है जहाँ आप अपने आप को मिट्टी के घड़े की तरह ढाल सकते है। हर व्यक्ति जो चाहता है वह बन सकता है, बस उसमें ज्ञान और बुद्धि और साहस के साथ अनुशासन होना चाहिए। कोषाध्यक्ष एस.बी. काबरा, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त ने भी सभी को गणतंत्र दिवस

की शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण के रूप में एनसीसी के छात्रों ने देश भक्ति गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक गण तथा गैर-शैक्षणिक स्टॉफ तथा छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीधारी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. बाला कुमार के द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में सेमिस्टर परीक्षा जारी

II,IV,VI सेमिटर की रेग्यूलर एवं I,II,III,IV,VI बैकलॉग परीक्षाएँ चल रही है। यह परीक्षाएँ २१ अप्रैल को प्रारंभ हुई और ११ जून को समाप्त होगी।

महाविद्यालय में बसंत पंचमी महोत्सव आयोजित

हिन्दी महाविद्यालय में दिनांक १-२-२५ को तेलुगु विभाग द्वारा बसंत पंचमी उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बाला कुमार, उप-प्रचार्य डॉ. श्रीदेवी, डॉ. पी.एस. एम. एल. वसंता मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सभी ने छात्रों को तथा प्रस्तुत माननीय सदस्यों को बसंत पंचमी की बधाई दी। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. बाला कुमार छात्रों मनोबल बढ़ाने हेतु कई समाज सापेक्ष उदाहरण प्रस्तुत किए तथा उसके उपरांत उप-प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी, डॉ. वसंता, डॉ. रजनीधारी, नीता कुलकर्णी, श्रीमती अर्चना पांडेय, श्री वकील पांडेय, श्रीमती लहरी, श्रीमती शारदा ने सभी को वसंत पंचमी की शुभकामनाएँ दीं। श्रीमती लहरी ने सरस्वती गीत प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम संपन्न

हिन्दी महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. बाला कुमार ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएँ दी और नारी के वर्चस्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नारी ही सृष्टि की जननी है और इनके बिना संसार अधूरा है।

इस अवसर पर महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष एस.बी. काबरा ने भी महिला दिवस पर अपने-अपने संदेश दिए और नारी की गौरवमयी स्थिति तथा समय के साथ नारी के उत्थान और वर्तमान में हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को रेखांकित किया। इस उपलक्ष्य में सभी महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा सभी प्रध्यापकों के लिए कोच चंद्रभान गिर के नेतृत्व में क्रिकेट खेल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन एचआर महिमा तथा डॉ. संजय कुमार के निर्देशन में हुआ।

एलबी स्टेडियम में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज हैंडबाल टूर्नामेंट की विजेता हिन्दी महाविद्यालय टीम के खिलाड़ियों ने प्रिंसिपल डॉ. बाला कुमार से भेंट की। अवसर पर उपस्थित लेफ्टिनेंट आकाश थापा एवं दिलीप रेड्डी।

बिट्स पिलानी व एबीवीपी खेलो भारत के अंतर्गत कबड्डी में कप जीतने पर खिलाड़ियों को हिन्दी महाविद्यालय के अध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष एस.बी. काबरा, प्राचार्य बाला कुमार, सीओई सत्यनारायण राव, खेल प्रभारी दिलीप रेड्डी व लेफ्टिनेंट आकाश था ने बधाई दी।

महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

हिन्दी महाविद्यालय में दिनांक २१-२-२५ को तेलुगु विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. बाला कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए मातृभाषा दिवस मनाने के कारणों पर चर्चा की तथा कहा कि एक दूसरे के विचारों के आदान-प्रदान भाषा के माध्यम से ही होता है। उपप्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी ने भी इस दिवस पर अपने विचार प्रकट करे हुए सभी को इसके महत्व से अवगत कराया। तेलुगु विभागाध्यक्ष श्रीमती पद्मा ने भी सभी को अपने मातृभाषा के सम्मान तथा आदर के साथ इसे मनाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर हिन्दी विभागध्यक्ष डॉ. रजनीधारी, चंद्रप्रताप. सिंह, अर्चना पांडेय, वाणिज्य विभाग के श्रीमती ऊषा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण तथा छात्र उपस्थित थे।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

हिन्दी महाविद्यालय में आज २८ फरवरी २०२५ को भारतीय वैज्ञानिक सीवी रमन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रासायनिक रॉकेट प्रणोदन (ठोस पृथ्वी भंडारण योग्य और कार्योजनिक तरल प्रणोदक/रॉकेट ईंधन) में विशेषज्ञ सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र-शार इसरो (श्रीहरिकोटा) के पूर्व समूह निदेशक और सहयोगी परियोजना निदेशक कनकराजू पट्टास्वामी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा श्रीमती लहरी की सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्या डॉ. बाला कुमार ने मुख्य अतिथि का परिचय तथा स्वागत भाषण दिया। अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि ने कहा कि विज्ञान एक बहुत ही रुचिकर विषय है। उन्होंने छात्रों के साथ अपने बहुत से व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया और बताया कि विज्ञान की अपनी कुछ सीमाएँ होती हैं। जिसके अंतर्गत रहकर कार्य पूरा किया जाता है। उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से छात्रों से प्रश्न भी किए और छात्रों के सवालों का जवाब भी दिया।

इसी उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्रांगण में 9हेनरिक हर्ट्ज“ के जन्मदिवस के अवसर पर २२ फरवरी को इंटर कॉलेजिएट विज्ञान प्रदर्शनी और मॉडल प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कई कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया।

प्रस्तुत किए गए कार्यशील और अकार्यशील मॉडलों का उद्देश्य 9एक टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान“ था।

सभी विज्ञान विभागों, जिनमें भौतिक विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, जीवन विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान आदि इसमें शामिल थे। उन्होंने अपने छात्रों को विभिन्न मॉडलों को प्रस्तुत करने में मदद की। इसमें विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

इस प्रदर्शनी में सभी विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा विभिन्न परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं। जिसमें मुख्य रूप से बायोडिग्रेडेबल पैकिंग, प्रोपेगेशन, दृष्टिहीनों के लिए स्मार्ट जूता, जैव ईंधन और कागज से बने फ्लोटिंग हाउस, जैव गैस उत्पादन, बाधा डिटेक्टर वाहन, स्मार्ट डस्टबिन, सिक्का संचालित जल डिस्पेंसर आदि शामिल थे। गणित विभाग द्वारा प्रस्तुत मॉडलों में दैनिक जीवन में गणित के उपयोग तथा महत्व आदि विषयों पर प्रस्तुति किया गया। साइबर सुरक्षा समाधान, डार्क वेब आदि विषयों पर कंप्यूटर विज्ञान के छात्रों ने मॉडल प्रस्तुति की।

इस विज्ञान मेले में इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों ने भी पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण तथा स्वच्छ एवं हरित आदर्श वाक्य पर अपने उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए। यह जागरूकता पैदा करने और पृथ्वी पर स्वस्थ जीवन को बनाये रखने के तरीकों और साधनों को फैलाने का एक समग्र प्रयास था। इस विज्ञान मेले में विजेताओं का चयन करने के लिए विभिन्न कॉलेजों के निर्णायकजन भी मौजूद थे। जिसमें सेंट पायस एक्स डिग्री और पीजी कॉलेज फॉर वूमेन की माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. बी. सुष्मिता तथा अन्य उपस्थित थे।

बीबीए और वाणिज्य विभाग के छात्रों ने कई प्रकार के खाद्य सामग्रियों के स्टॉलों को लगाया, जिससे सभी छात्रों को अर्थ लाभ हुआ।

इस अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी तथा महाविद्यालय में संपन्न सभी साहित्यिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नगरद्वय में स्थित विभिन्न हिन्दी माध्यम के स्कूलों के छात्र भी इस प्रदर्शनी में अपने-अपने प्राध्यापकों के साथ भ्रमण करने आए। डॉ. रजनीधारी हिन्दी विभागाध्यक्ष तथा श्री सीपी सिंह ने हिन्दी माध्यम के स्कूलों के छात्रों को संबोधित किया तथा उन्हें हिन्दी महाविद्यालय में इंटरमीडिएट में प्रवेश लेने का परामर्श दिया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदडा, कार्यदर्शी श्री शील कुमार जैन, कोषाध्यक्ष एस.बी. काबरा, संयुक्त कार्यदर्शी प्रदीप दत्त, प्राचार्या बाला कुमार, उप-प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, प्राध्यापकगण एवं छात्र उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती नीता कुलकर्णी तथा धन्यवाद ज्ञापन उप-प्रचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी ने किया। सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

PRINTED MATTER **BOOK-POST**

HINDI MAHAVIDYALAYA
(NAAC Accredited)
Nallakunta, Osmania University Road, Shankar Math,
Hyderabad 500 044.
Phone : 27616330 Fax : 30226330
Email : info@hindimahavidyalaya.org
Website : www. hindimahavidyalaya.org

सेवा में,
श्री/श्रीमान ------------------------------

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कार्यदर्शी	संयुक्त कार्यदर्शी	कोषाध्यक्ष	प्राचार्य	उप-प्राचार्य
लक्ष्मीनिवास शर्मा	**श्यामसुंदर मूंदड़ा**	**शील कुमार जैन**	**प्रदीप दत्त**	**एस.बी. काबरा**	**डॉ. बाला कुमार**	**डॉ. बी. श्रीदेवी**

Printed and Published by Laxminiwas Sharma at Surya Graphic, Gandhinagar, Hyderabad, on behalf of Hindi Mahavidyalaya.